17 E—MHIN

2017

HINDI

(Modern Indian Language)

Full Marks : 100

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

खण्ड—क

1. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

जिन्दगी को मुस्करा के काट दीजिए,
कष्ट लाख हों मगर न व्यक्त कीजिए।
तनाव के क्षणों को लगाम दीजिए,
हँसी है दवा मधुर का पान कीजिए।
हँस-हँस तनाव को उखाड़ फेंकिए,
लाख-लाख रोगों की एक है दवा।
मुस्करा के जीने का और है मज़ा।
चेहरे पर गम की न रेख लाइए,
मुस्करा के बढ़ने की बात कीजिए।

प्रश्न :

(क) उपर्युक्त पद्यांश में किसको लगाम देने की बात कही गई है? 1

(ख) किसको दवा कहा गया है और उसके पान की बात कवि ने क्यों की? 1

(ग) चेहरे पर क्या न लाने की बात कही गई है? 1

(घ) लाख-लाख रोगों की दवा किसे कहा गया है? 1

(ङ) उपर्युक्त पद्यांश का एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

फिजूलखर्ची एक बुराई है, लेकिन ज्यादातर मौकों पर हम इसे भोग, अय्याशी से जोड़ लेते हैं। फिजूलखर्ची के पीछे बारीकी से नजर डालें तो अहंकार नजर आएगा। अहं को प्रदर्शन से तृप्ति मिलती है। अहं की पूर्ति के लिए कई बार बुराइयों से रिश्ता भी जोड़ना पड़ता है। अहंकारी लोग बाहर से भले ही गंभीरता का आवरण ओढ़ लें, लेकिन भीतर से वे उथलेपन और छिछोरेपन से भरे रहते हैं। जब कभी समुद्र तट पर जाने का मौका मिले, तो देखिएगा लहरें आती हैं, जाती हैं और यदि चट्टानों से टकराती हैं तो पत्थर वहीं रहते हैं, लहरें उन्हें भिगोकर लौट जाती हैं। हमारे भीतर हमारे आवेगों की लहरें हमें ऐसे ही टक्कर देती हैं। इन आवेगों, आवेशों के प्रति अडिग रहने का अभ्यास करना होगा, क्योंकि अहंकार यदि लम्बे समय टिकने की तैयारी में आ जाए तो वह नए-नए तरीके ढूँढ़ेगा। स्वयं को महत्त्व मिले अथवा स्वेच्छाचारिता के प्रति आग्रह, ये सब फिर सामान्य जीवनशैली बन जाती है। ईसा मसीह ने कहा है—मैं उन्हें धन्य कहूँगा, जो अंतिम हैं। आज के भौतिक युग में यह टिप्पणी कौन स्वीकारेगा, जब नंबर वन होने की होड़ लगी है। ईसा मसीह ने इसी में आगे जोड़ा है कि ईश्वर के राज्य में वही प्रथम होंगे, जो अंतिम हैं और जो प्रथम होने की दौड़ में रहेंगे, वे अभागे रहेंगे। यहाँ अंतिम होने का संबंध लक्ष्य और सफलता से नहीं है। जीसस ने विनम्रता, निरहंकारिता को शब्द दिया है—'अंतिम'। आपके प्रयास व परिणाम प्रथम हों, अग्रणी रहें, पर आप भीतर से अंतिम हों यानी विनम्र, निरहंकारी रहें। वरना अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है।

प्रश्न :

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

(ख) फिजूलखर्ची को सूक्ष्म दृष्टि से क्या कहा गया है? 2

(ग) अहंकारी व्यक्तियों की किन कमियों की ओर संकेत किया गया है? 2

(घ) 'निरहंकारिता' शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय छाँटिए। 2

(ङ) 'समुद्र तट पर लहरें आती हैं और चट्टानों से टकराकर लौट जाती हैं'—इससे लेखक हमें क्या संदेश देना चाहते हैं? 2

(च) 'अंतिम' शब्द का अभिप्राय स्पष्ट कीजिए। 2

(छ) ईसा मसीह ने प्रथम और अंतिम के संबंध में क्या मनोभाव व्यक्त किया है? 2

(ज) 'अहं अकारण ही जीवन के आनंद को खा जाता है'—इसका आशय स्पष्ट कीजिए। 2

खण्ड—ख

3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए : 10

(क) वर्तमान युग और कम्प्यूटर

(कम्प्यूटर क्या है—कम्प्यूटर की क्षमता—विभिन्न क्षेत्रों में कम्प्यूटर का उपयोग—वर्तमान युग में कम्प्यूटर के बिना चलना क्यों कठिन है—उपसंहार)

(ख) बढ़ते शहर सिकुड़ते जंगल

(भूमिका—जनसंख्या की वृद्धि—निवास स्थान के लिए जंगल का सिकुड़ना—लोगों का जीविका की तलाश में शहर की ओर बढ़ना—दुष्परिणाम—उपसंहार)

(ग) भारतीय किसान की स्थिति

(भूमिका—सामाजिक जीवन में किसान का महत्व—भारतीय समाज में किसान—प्राचीन और वर्तमान युग में किसान की स्थिति—उपसंहार)

(घ) आजीविका और शिक्षानीति

(भूमिका—शिक्षा का अर्थ और प्रयोजन—आजीविका के विविध साधन—शिक्षानीति और आजीविका—निष्कर्ष)

4. अपने मुहल्ले में दिन-प्रतिदिन बढ़ते बिजली के संकट को लेकर विद्युत् विभाग के मुख्य अभियंता को पत्र लिखिए। 5

अथवा

"अपराधी तत्वों के राजनीति में आने से लोकतंत्र को खतरा हो गया है।" इस विषय पर चर्चा करते हुए किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को एक पत्र लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

(क) जनसंचार किसे कहते हैं?

(ख) संचार के दो कार्यों का उल्लेख कीजिए।

(ग) समाचार के किन्हीं दो माध्यमों के नाम लिखिए।

(घ) अंशकालिक पत्रकार से आप क्या समझते हैं?

(ङ) समाचारों को संकलित करने वाले को क्या कहा जाता है?

6. 'महँगाई से ग्रस्त जन-जीवन' पर एक आलेख तैयार कीजिए। 5

अथवा

'भारत के बदलते स्वरूप' पर एक फीचर लिखिए।

खण्ड—ग

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरो न कोई
जा के सिर मोर-मुकुट, मेरो पति सोई
छांड़ि दयी कुल की कानि, कहा करिहै कोई
संतन ढिग बैठि-बैठि लोक-लाज खोई
अंसुवन जल सींचि-सींचि प्रेम-बेलि बोयी
अब तो बेलि फैलि गयी, आणंद फल होयी
दूध की मथनियाँ बड़े प्रेम से विलोयी
दधि मथि घृत काढ़ि लियो, डारि दयी छोयी
भगत देखि राजी हुयी, जगत देखि रोयी
दासि मीरां लाल गिरधर! तारो अब मोही।

प्रश्न :

(क) मीरां अपना सर्वस्व किसे मानती हैं? और उसका स्वरूप कैसा है? 2

(ख) मीरां ने समाज को क्या चुनौती दी है? 2

(ग) मीरां किसे देखकर प्रसन्न हो उठती हैं तथा किसे देखकर रो पड़ती हैं? 2

(घ) मीरां कृष्ण से क्या प्रार्थना करती हैं और क्यों? 2

अथवा

निकल रहा है जलनिधि-तल पर दिनकर-बिंब अधूरा।
कमला के कंचन-मंदिर का मानो कांत कँगूरा॥
लाने को निज पुण्य-भूमि पर लक्ष्मी की असवारी।
रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण-सड़क अति प्यारी॥
निर्भय, दृढ़, गंभीर भाव से गरज रहा सागर है।

लहरों पर लहरों का आना सुंदर, अति सुंदर है॥
कहो यहाँ से बढ़कर सुख क्या पा सकता है प्राणी?
अनुभव करो हृदय से, हे अनुराग-भरी कल्याणी॥

प्रश्न :

(क) सागर के तट पर खड़ा कवि क्या देखता है? 2

(ख) सूर्य के उदित रूप को देखकर कवि क्या कहता है? 2

(ग) लक्ष्मी के स्वागत के लिए सागर ने क्या किया है? 2

(घ) कवि प्रकृति के नूतन रूप को दिखाकर क्या प्रगठ करना चाहता है? 2

8. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश को पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

(क) संतो देखत जग बौराना।
साँच कहौं तो मारन धावै, झूठे जग पतियाना॥
नेमी देखा धरमी देखा, प्रात करै असनाना।
आतम मारि पखानहि पूजै, उनमें कछु नहिं ज्ञाना॥
बहुतक देखा पीर औलिया, पढ़ै कितेब कुराना।

प्रश्न :

(i) इस काव्यांश की भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

(ii) शिल्प-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। 3

(ख) नाचने के लिए खुला आँगन
गाने के लिए गीत
हँसने के लिए थोड़ी-सी खिलखिलाहट
रोने के लिए मुट्ठी भर एकांत।

प्रश्न :

(i) प्रस्तुत काव्यांश की भाषा की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

(ii) 'मुट्ठी भर एकांत' का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। 3

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 2×3=6

(क) कबीर की दृष्टि में ईश्वर एक है। इसके समर्थन में उन्होंने क्या तर्क दिए हैं? 2

(ख) 'आओ, मिलकर बचाएँ' कविता में दिल के भोलेपन के साथ-साथ अक्खड़पन और जुझारूपन को भी बचाने की आवश्यकता पर क्यों बल दिया गया है? 2

(ग) 'चंपा काले काले अच्छर नहीं चीन्हती' शीर्षक कविता में ऐसा क्यों कहा गया कि कलकत्ता पर बजर गिरे? 2

(घ) पानी के रात भर गिरने और प्राण-मन के घिरने में परस्पर क्या संबंध है? 'घर की याद' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(ङ) किसान की पत्नी और उसकी बच्ची की मृत्यु के लिए आप किसे दोषी मानते हैं और क्यों? 'वे आँखें' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 2

(च) अक्क महादेवी के वचन में ईश्वर से क्या प्रार्थना की गई? 2

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8

नौकरी में ओहदे की ओर ध्यान मत देना, यह तो पीर का मजार है। निगाह चढ़ावे और चादर पर रखनी चाहिए। ऐसा काम ढूँढ़ना जहाँ कुछ ऊपरी आय हो। मासिक वेतन तो पूर्णमासी का चाँद है जो एक दिन दिखाई देता है और घटते-घटते लुप्त हो जाता है। ऊपरी आय बहता हुआ स्रोत है जिससे सदैव प्यास बुझती है। वेतन मनुष्य देता है, इसी से उसमें वृद्धि नहीं होती। ऊपरी आमदनी ईश्वर देता है, इसी से उसकी बरकत होती है, तुम स्वयं विद्वान हो, तुम्हें क्या समझाऊँ।

प्रश्न :

(क) यह किसकी उक्ति है और किसे कहा गया है? 2

(ख) मासिक वेतन को पूर्णमासी का चाँद क्यों कहा गया है? 2

(ग) मासिक वेतन तथा ऊपरी आय में लेखक ने क्या अंतर बताया है? 2

(घ) क्या आप एक पिता के इस वक्तव्य से सहमत हैं? 2

अथवा

फिल्म का काम आगे भी ढाई साल चलने वाला है, इस बात का अंदाजा मुझे पहले नहीं था। इसलिए जैसे-जैसे दिन बीतने लगे, वैसे-वैसे मुझे डर लगने लगा। अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे अगर ज्यादा बड़े हो गए, तो फिल्म में वह दिखाई देगा! लेकिन मेरी खुशकिस्मती से उस उम्र में बच्चे जितने बढ़ते हैं, उतने अपू और दुर्गा की भूमिका निभाने वाले बच्चे नहीं बढ़े। इंदिरा ठाकरुन की भूमिका निभाने वाली अस्सी साल उम्र की चुन्नीवाला देवी ढाई साल तक काम कर सकी, यह तो मेरे सौभाग्य की बात थी।

प्रश्न :

(क) दिन बीतने के साथ लेखक के मन में क्या डर बैठ गया? 2

(ख) लेखक किस बात में अपनी खुशकिस्मती मानता है? 2

(ग) फिल्म बनाने में लेखक को क्या-क्या कठिनाइयाँ आईं? 2

(घ) लेखक के लिए सौभाग्य की बात क्या थी? 2

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(क) 'नमक का दरोगा' पाठ के आधार पर वंशीधर की किन्हीं तीन चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

(ख) धनराम मोहन को अपना प्रतिद्वंद्वी क्यों नहीं समझता था? 3

(ग) 'जामुन का पेड़' पाठ के आधार पर सरकारी कर्मचारियों की कार्यप्रणाली का उल्लेख कीजिए। 3

(घ) स्पीति के लोग जीवन-यापन के लिए किन कठिनाइयों का सामना करते हैं? 3

(ङ) शिवशंभु की दो गायों की कहानी के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? 3

(च) 'भूलो' की जगह दूसरा कुत्ता क्यों लाया गया? उसने फिल्म के किस दृश्य को पूरा किया? 3

(छ) नेहरू जी भारतमाता किसे मानते थे एवं इसकी चर्चा अक्सर किनसे किया करते थे? 3

खण्ड—घ

[पूरक पुस्तक (वितान : भाग–1)]

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए : 3×3=9

(क) कुमार गंधर्व को शास्त्रीय गायकों की कौन-सी बात खलती है? 3

(ख) तातुश ने बेबी हालदार के बच्चों के बारे में क्या कहा? 3

(ग) कुँई का मुँह छोटा क्यों रखा जाता है? 3

(घ) आम श्रोता किस संगीत को पसंद करता है—शास्त्रीय संगीत या चित्रपट संगीत को? कारण स्पष्ट कीजिए। 3

13. पातरपानी, पातालपानी तथा रेजाणीपानी के बारे में आप क्या जानते हैं? 6

अथवा

अकेली औरत को समाज में किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ता है और बेबी हालदार किस हद तक उन समस्याओं से लोहा लेने में सफल रही? 'आलो आँधारि' नामक पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

★★★